हिन्दुस्तान 02
मंगलवार, 30 मई 2023
www.livehindustan.com

'पुस्तकालयों के बिना विकास असंभव'

संगोष्ठी

- अग्रवाल कॉलेज में संगोष्ठी का आयोजन
- पुस्तकालयों में आधुनिक तकनीक पर जोर

बल्लभगढ़, संवाददाता। अग्रवाल कॉलेज में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के माध्यम से पुस्तकालयों का सतत विकास विषय पर तीन-दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का सोमवार को समापन हुआ।

संगोष्ठी को राजा राममोहन राय लाइब्रेरी फाउंडेशन कोलकाता और संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित व अनुमोदित किया गया था। गोष्ठी में वक्ताओं ने कहा कि पुस्तकालयों के बिना छात्रों का विकास संभव नहीं है।

संगोष्ठी के तीसरे दिन की अध्यक्षता डॉक्टर कृष्णकांत गुप्ता व डॉ.लक्ष्मी गुप्ता, सह-प्रवक्ता सरस्वती महिला महाविद्यालय पलवल ने की। इस सत्र में आमंत्रित वक्ता प्रोफ़ेसर आर. के. भट्ट, पुस्तकालय अध्यक्ष, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली से रहें। उन्होंने आजादी का अमृत महत्व और स्कूल पुस्तकालय विषय पर वार्ता की। सत्र - 8 की अध्यक्षता प्रोफेसर आर. के. भट्ट,पुस्तकालय अध्यक्ष, दिल्ली विश्वविद्यालय,दिल्ली ने की। इस सत्र में आमंत्रित वक्ता डॉ. प्रोजेश राय, संयुक्त निदेशक, स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली से रहे। इन्होंने प्राचीन ऋषि मुनि द्वारा लिखित अनेक वैदिक उद्धरणों का साक्ष्य देते हुए तकनीकी को अपनाने के साथ-साथ अपना काम करने पर जोर दिया।

टीम को दी बधाई : संगोष्ठी के समापन सत्र की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. कृष्णकांत गुप्ता ने की। उन्होंने संगोष्ठी के सफल आयोजन पर संपूर्ण टीम को बधाई देते हुए भविष्य में इस तरह की संगोष्ठी में सहायता देने का आश्वासन दिया। समापन सत्र में मुख्य अतिथि प्रोफेसर यू.सी.शर्मा, पुस्तकालय विभाग, आगरा विश्वविद्यालय, आगरा से रहें। संगोष्ठी का सारांश संगोष्ठी आयोजन सह-सचिव डॉ. सचिन गर्ग द्वारा प्रस्तुत किया गया। धन्यवाद ज्ञापन संगोष्ठी संयोजक डॉ. रामचंद्र ने किया' मंच संचालन संगोष्ठी सह- संयोजिका डॉ. गीता गुप्ता ने किया।